महाकाल आरती | By Mukesh Bagda |

ॐ जय गंगाधर हर शिव
जय गिरजाधीशाय।
शिव जय गौरुनाथा,
शिव जय गौरिनाथा।
त्वं मां पालय नित्यं,
त्वं मां पालय शंभो।
कृपया जगदीशा,
कृपया जगदीशा।
ॐ हर हर हर महाकाल।
ॐ हर हर हर महाकाल॥

अवंती नगरी मध्य महाकाल,
वन शिव हर सिद्ध पीठे।
गुंजति मधुकर पुंजे,
गुंजति मधुकर पुंजे।
कोटि तीर्थ तटे,
कोटि तीर्थ तटे।
ॐ हर हर हर महाकाल।
ॐ हर हर हर महाकाल॥

कोकिल पूजत कीर्ति,
हंसावली ललिता।
रचि रचि कला कला बम,
रचि रचि कला कला बम।
नृत्यं मुदसहिता,
नृत्यं मुदसहिता।
ॐ हर हर हर महाकाल।
ॐ हर हर हर महाकाल॥

तस्मिन् ललित सुदेशे,
शाला मणिरचिता।
तन्मध्ये हरि निकटे,
तन्मध्ये शिव निकटे।
गौरी मुद सभिता।
ॐ हर हर हर महाकाल।
ॐ हर हर हर महाकाल॥

क्रीड़ा रचयति,
भूषा रंचित निज नीशं।
इंद्रादिक शिव सेविते,
ब्रह्मादिक सुर सेविते।
प्रणमति के शीशं,
प्रणमति के शीशं।
ॐ हर हर हर महाकाल।
ॐ हर हर हर महाकाल॥

विबुध वधू बहु नृत्यति,

हृदये मुद सहित।
किन्नर गायन गुरुदेव,
किन्नर गायन गुरुदेव।
सप्त स्वर संहित,
सप्त स्वर संहित।
ॐ हर हर हर महाकाल।
ॐ हर हर हर महाकाल॥

धिंकत थे थे धिंकते,
मृदंग वादयते।
क्वण क्वण ललिता वेणुं,
क्वण क्वण ललिता वेणुं।
वेणु मधुरं नटयते,
वेणु मधुरं नटयते।
ॐ हर हर हर महाकाल।
ॐ हर हर हर महाकाल॥

रुण रुण चरणे रचयति,
नूपुर मुज्ज्वलित।
चक्रवर्ते भ्रमयति,
चक्रवर्ते भ्रमयति।
कुरुते ता दहि ता,
कुरुते ता दहि ता।
ॐ हर हर हर महाकाल।
ॐ हर हर हर महाकाल॥

ता ता लुप टुप तडम,
मधुरं नादयते।
अंगुष्ठं गुलि नादं,
अंगुष्ठं गुलि नादं।
लसक्तं कुरुते,
लसक्तं कुरुते।
ॐ हर हर हर महाकाल।
ॐ हर हर हर महाकाल॥

कर्पूर ज्योति गौरं,
पंचानन सहितं।
विनय नयन शशि धर्मोलिं,
विनय नयन शशिधर मौलिं।
विषधर अति उत्तम,
विषधर अति उत्तम।
ॐ हर हर हर महाकाल।
ॐ हर हर हर महाकाल॥

सुंदर जटा कलापं,
पावक युत भालं।
डमरू त्रिशूल पिनाकं,
डमरू त्रिशूल पिनाकं।
कर धृत नृकपालं,
कर धृत नृकपालं।

ॐ हर हर हर महाकाल।
ॐ हर हर हर महाकाल॥

शंखनिनादं कृत्वा,
झल्लरी नादयते।
नीराजयते ब्रह्मा,
नीराजयते विष्णु।
वेद ऋचं पठते,
वेद ऋचं पठते।
ॐ हर हर हर महाकाल।
ॐ हर हर हर महाकाल॥

अतिमृदु चरण सरोजं,
हृत्कमले धृत्वा।
अवलोकयति महेशं,
अवलोकयति सुदेशं।
ईशम् अभिनत्वा,
ईशम् अभिनत्वा।
ॐ हर हर हर महाकाल।
ॐ हर हर हर महाकाल॥

ध्यानम् आरती समये,
हृदये अति कृत्वा।
रामं जानकी नाथं,
शंभु गिरिजा नाथं।
ईशम् अभिनत्वा,
ईशम् अभिनत्वा।
ॐ हर हर हर महाकाल।
ॐ हर हर हर महाकाल॥

संगतिमेवं प्रतिदिन,
पठनं यः कुरुते।
पठनं यः कुरुते।
शिव सायुज्यं गच्छति,
हर्षायुज्यं गच्छति।
भक्त्या यः शृणुते,
भक्त्या यः शृणुते।
ॐ हर हर हर महाकाल।
ॐ हर हर हर महाकाल॥

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b2-%e0%a4%86%e0%a4%b0%e0%a4%a4%e0%a5%80-by-mukesh-bagda/